दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 | 3 गोरखपुर की कातिल दुल्हन | 5 तीन लव, तीन कत्ल | 8 चाहत सिर्फ पैर छूना

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 40 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 31 मार्च, 2025

दरोगा, सिपाही और जेल वार्डर के 28,138 पदों के लिए इस तारीख से शुरू होगी प्रक्रिया

लखनऊ,संवाददाता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा के बाद उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने दरोगा, सिपाही, जेल वार्डर, कंप्यूटर ऑपरेटर, रेडियो सहायक परिचालक और लेखा एवं गोपनीय संवर्ग के कुल 28,138 पदों पर सीधी भर्ती करने की कवायद शुरू कर दी है। अप्रैल माह के अंत तक इन पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने के लिए विज्ञप्ति जारी की जाएगी, जिसके बाद लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

इसमें उप निरीक्षक नागरिक पुलिस के 4242, उप निरीक्षक नागरिक पुलिस महिला (पीएसी वाहिनी बदायूं, गोरखपुर, लखनऊ) के 106, प्लाटून कमांडरध्उप निरीक्षक सशस्त्र पुलिस के 135 और प्लाटून कमांडरध्उप निरीक्षक (विशेष सुरक्षा बल) के 60 पद शामिल हैं। बता दें कि बोर्ड ने आरक्षी नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया हाल ही में संपन्न की है, जिनका चरित्र प्रमाण पत्र और मेडिकल फिटनेस का प्रमाण पत्र जमा कराने की कवायद जारी है। बीते दिनों मुख्यमंत्री ने जल्द 30 हजार भर्तियां करने की घोषणा की थी।

भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष राजीव कृष्ण ने गुरुवार को बताया कि डीजीपी मुख्यालय से भर्ती बोर्ड को सिपाही स्तर के विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती के लिए कुल 19,220 पदों का अधियाचन (प्रस्ताव) भेजा है। इसमें सिपाही पीएसी के 9837, सिपाही विशेष सुरक्षा बल के 1341, महिला सिपाही पीएसी (बदायूं, गोरखपुर, लखनऊ) के 2282, सिपाही नागरिक पुलिस के 3245, सिपाही पीएसीध्सशस्त्र पुलिस के 2444 और सिपाही घुड़सवार पुलिस के 71 पद शामिल हैं। इसके अलावा डीजीपी मुख्यालय ने उप निरीक्षक (दरोगा) के 4543 पदों पर सीधी भर्ती के लिए भी बोर्ड को अधियाचन भेजा है।

पुलिस क्षेत्र में कैरियर बनाने वाले युवाओं के लिए अच्छी खबर है। प्रदेश में पुलिस सेवा के अलग–अलग पदों पर 28,138 भर्तियां होनी हैं। इस प्रक्रिया अप्रैल से शुरू हो जाएगी।

जेल वार्डर की भी होगी भर्ती

वहीं दूसरी ओर कारागार मुख्यालय ने भी भर्ती बोर्ड को जेल वार्डर के 2833 पदों पर सीधी भर्ती करने के लिए अधियाचन भेजा है, जिसका परीक्षण करने के बाद आगामी अप्रैल माह के अंत तक भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के लिए विज्ञप्ति जारी की जाएगी। बोर्ड ने इन सभी भर्तियों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए अपनी वेबसाइट का अवलोकन करते रहने को कहा है। इसके अलावा कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड ए के 1153, लिपिक, लेखा एवं गोपनीय सहायक के 345 पदों और रेडियो सहायक परिचालक के 44 पदों पर भी सीधी भर्ती की जाएगी।

60 ,244 पदों पर की भर्ती

बता दें कि बोर्ड ने आरक्षी नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया हाल ही में संपन्न की है, जिनका चरित्र प्रमाण पत्र और मेडिकल फिटनेस का प्रमाण पत्र जमा कराने की कवायद जारी है। बीते दिनों मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि पुलिस में जल्द 30 हजार भर्तियां और की जाएंगी।

महिला वाहिनी बनाने का सपना हुआ पूरा

बता दें कि वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने लोक कल्याण संकल्प पत्र में पीएसी की तीन महिला वाहिनी बनाने की घोषणा की थी। जिनकी स्थापना का कार्य बीते आठ सालों से जारी है। पीएसी की तीनों महिला वाहिनियों के लिए भूमि का बंदोबस्त करने के बाद वहां भवनों का निर्माण कराया गया है, जिसके बाद अब महिला सिपाहियों की भर्ती की जा रही है। बता दें कि लखनऊ में ऊदा देवी महिला वाहिनी, बदायूं में वीरांगना अवंती बाई महिला वाहिनी और गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई महिला वाहिनी की स्थापना होने के बाद इनमें भर्तियों का रास्ता भी साफ हो गया है।

प्रचलित भर्ती प्रक्रिया

भर्ती बोर्ड के मुताबिक कुशल खिलाड़ी के अन्तर्गत उप निरीक्षक नागरिक पुलिस के 91 पदों, आरक्षी नागरिक पुलिस 372 एवं आरक्षी पीएसी 174 पदों के लिए भी कार्यवाही प्रचलित है। इसमें अप्रैल माह के तीसरे सप्ताह से अभिलेखों की संवीक्षा एवं खेल कौशल परीक्षण की प्रकिया शुरू की जाएगी। सभी भर्तियों के संबंध में शीघ्र ही यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की वेबसाइट व एक्स हैंडल पर सूचना दी जाएगी।

दिल्ली,एजेंसी। म्यांमार में शुक्रवार को 7.7 तीव्रता का भूकंप आया जिससे 694 लोगों की मौत हुई और सैकड़ों घायल हुए। इसका असर बैंकॉक में भी दिखा जहां एक निर्माणाधीन इमारत गिरने से छह लोग मारे गए। म्यांमार में राहत कार्य शुरू हो गया हैं और भारत चीन के बाद रूस ने भी मदद भेजी है। आज सुबह अफगानिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए।

बैंकश्वक में कम से कम 10 लोगों की मौत
चीन में भी भूकंप के झटकों से सहमे लोग
भारत ने म्यांमार की मदद के लिए भेजी सामग्री

भूकंप का केंद्र मांडले के पास था और इसने म्यांमार सहित थाईलैंड के बैंकॉक में भी नुकसान पहुंचाया। बैंकॉक में एक निर्माणाधीन इमारत गिरने से छह लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए हैं।

शव में पत्थर बांध राप्ती नदी में छिपा दिया था...

3 को उम्रकैद

गोरखपुर। एक दिसंबर 2014 की शाम को आरोपी दिलीप ने सती उर्फ जग्गा को बेल्ट से बुरी तरह मारा पीटा। अगले दिन दो दिसम्बर 2014 को आरोपी ने उसको पेय पदार्थ में कुछ मिलाकर पिलाया, जिससे वह बेहोश हो गई। इसके बाद आरोपियों ने उसे मिलकर खटिया पर लाद कर सेमरा गांव के पास राप्तीनगर में पत्थर से बांधकर डुबा दिया। हत्या कर शव छिपाने का जुर्म सिद्ध पाए जाने पर अपर सत्र न्यायाधीश विजय बहादुर यादव ने बड़हलगंज थाना क्षेत्र के कल्याणपुर मिश्रौलिया निवासी जेठानी उर्मिला देवी, पति दिलीप गुप्ता व ससुर राजबली उर्फ भगन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

पुलिस मुठभेड़ में दो तस्कर गिरफ्तार

एक के पैर में लगी गोली

कुशीनगर। तस्करों के पास तमंचा और गोवध के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण बरामद किया गया है। दोनों तस्कर कुशीनगर जिले के रहने वाले हैं। नौ गोवंश को पुलिस ने मुक्त कराया। पिकअप से गोवंश लेकर बिहार जा रहे दो पशु तस्करों को बृहस्पतिवार सुबह मुठभेड़ में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसमें एक तस्कर के पैर में गोली लगी है, बाकी मौके से भाग निकले। इनकी गिरफ्तारी में पुलिस टीमें जुट गई हैं।

तस्करों के पास से तमंचा और गोवध के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस ने तस्करों से नौ गोवंश को भी मुक्त कराया है। दोनों तस्करों पर पडरौना कोतवाली में पहले से केस दर्ज है।रविंद्र नगर पुलिस को बृहस्पतिवार सुबह सूचना मिली कि एक पिकअप से गोवंश को लेकर तस्कर बिहार जा रहे हैं।

पडरौना कोतवाल रवि राय, रविंद्र नगर थानाध्यक्ष विनय मिश्रा और साइबर सेल के मनोज पंत ने होरलापुर के पास घेराबंदी कर दी। पुलिस ने पिकअप को रोकने का प्रयास किया तो चालक भागने लगा। पुलिस ने दौड़ाकर पिकअप को रोका और जंगल खिरकिया निवासी पशु तस्कर मुर्तजा हुसैन को दबोच लिया। बाकी तस्कर भाग निकले। इनको होरलापुर के कसया टोला कुटीरबाग के पास पुलिस टीम ने घेर लिया। तस्करों ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में एक पशु तस्कर घायल हो गया। इसकी पहचान समशुल हक जंगल खिरकिया के रूप में हुई। इसका इलाज मेडिकल कॉलेज में पुलिस कस्टडी में चल रहा है। पुलिस ने तस्करों के पास से एक तमंचा, लकड़ी का ठीहा, रस्सी, बांका और पिकअप बरामद किया। तस्करों के मोबाइल फोन में कई ऐसे नंबर पुलिस को मिले हैं जो इस गिरोह के सदस्यों के हैं। पुलिस टीम इन तस्करों तक पहुंचने में जुटी है।

सम्पादकीय

नीतीश कुमार का नारी विरोधी चेहरा

समाजवादी परिवार का हिस्सा रहने के कारण बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की छवि समतावादी और सुशासन की रही है लेकिन इन दिनों जो उनका व्यवहार और नीतियां सामने आ रही हैं, वे इस बात को उजागर करने के लिये काफी हैं कि भीतर से वे नारी विरोधी हैं और रुढ़िगत पितृसत्तात्मक समाज की मानसिकता से खुद को बहुत अलग नहीं कर पाये हैं। कुछ ही महीनों में उनके राज्य में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, उसमें उनकी जनता दल यूनाइटेड पर जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी हावी हो रही है और आगामी सरकार बनाने के लिये जैसी महत्वाकांक्षाएं न सिर्फ पाले बैठी है वरन उसका खुलकर इजहार भी कर रही है, वह भी नीतीश बाबू की परेशानी का एक कारण हो सकता है। इतना ही नहीं, उनके मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी कई तरह की चर्चाएं जारी हैं। यदि उनके बारे में बन रही इस आशय की धारणाएं सही हैं कि उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, तो यह भी देखा जाना चाहिये कि क्या उनका स्त्री विरोध इस मानसिकता का परिणाम तो नहीं है?

हाल ही में वे प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के लिये विधान परिषद में जिस भाषावली का उपयोग कर रहे हैं वह उनके पद की गरिमा के प्रतिकूल और प्रजातंत्र के खिलाफ है। इन बयानों ने यह भी साबित किया है कि नीतीश कुमार का चेहरा चाहे प्रगतिशील नेता का हो लेकिन भीतरी तौर पर वे उस व्यापक भारतीय समाज का हिस्सा हैं जो अमूमन महिलाओं के प्रति वास्तविक सम्मान नहीं रखता। नीतीश कुमार अपने नारी विरोधी नजरिये का कई बार परिचय दे चुके हैं। याद हो कि जब कुछ समय के लिये जेडीयू तथा राष्ट्रीय जनता दल की सरकार में वे मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने प्रजनन प्रक्रिया को लेकर बेहद आपत्तिजनक बयान दिया था। हालांकि उन्हें अपनी गलती का एहसास हो गया था। उन्होंने इसके लिये खेद जताते हुए खुद की ही भर्त्सना की थी। भरे सदन में उनके इस बयान पर विपक्ष, खासकर भाजपा की महिला विधायकों ने काफी विरोध किया था, जो हर तरह से वाजिब था। तब और अब में दो साल से ज्यादा का समय गुजर चुका है। कहते हैं कि तभी से नीतीश कुमार का व्यवहार असंतुलित सा हुआ दिखता है। हाल ही में एक कार्यक्रम में जब राष्ट्रगान हो रहा था, तो वे अपने बाजू में खड़े मुख्य सचिव से बात करने लगे और उनके टोकने पर भी सीधे खड़े न होकर सामने किसी का अभिवादन करते नजर आये। उनका यह वीडियो देश भर में वायरल हुआ है जिसे देखकर लोगों का कहना था कि उनके खिलाफ राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान का मामला दर्ज होना चाहिये।

विधान मंडल के जारी बजट सत्र में उनकी राबड़ी देवी से कई बार बहस हुई है। यह कोई नयी बात नहीं लेकिन जिस भाषा का इस्तेमाल उन्होंने किया, वह आश्चर्यजनक है। जिन शब्दों का प्रयोग उन्होंने किया वह असंसदीय तो हैं ही, अमर्यादित भी। पिछले दिनों नीतीश ने राबड़ी देवी पर कटाक्ष करते हुए कहा था– श्इनके पति को इस पद से हटाया गया, इसलिए ही वह मुख्यमंत्री बन पाई थीं।श उल्लेखनीय है कि जब राबड़ी देवी के पति लालू प्रसाद यादव को भ्रष्टाचार के मामले पर मुख्यमंत्री पद से हटना पड़ा था तो राबड़ी देवी ने वह पद सम्हाला था। फिलहाल वे विधान परिषद की सदस्य हैं। मंगलवार को सदन की कार्यवाही के दौरान आरक्षण पर गर्मागर्म बहस हो रही थी। राबड़ी देवी जब कुछ कहने के लिये उठीं, तो नीतीश कुमार ने उन्हें डपटते हुए कहा– श्अरे बैठो अपनी कुर्सी पर! पार्टी तोहरे हसबैंड का है, तोहरा कुछ नहीं। बैठा तू!श राबड़ी देवी ने विरोध जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में वह अपने 8 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों पर बोल सकती हैं, तो नीतीश ने मगही भाषा में बेहद अशिष्ट भाषा का प्रयोग करते हुए कहा, श्छोड़ा ना, तोहरा कुछ मालूम है?श मुख्यमंत्री ने आगे उन्हें अपमानित करते हुए कहा कि श्पार्टी इसके हसबैंड का है, इ बेचारी तो ऐसे ही आ गई है।श

नीतीश कुमार की इस तरह की अशालीन भाषा का कारण उन पर पड़ रहा दबाव भी बतलाया जाता है। वे शायद इस खौफ में जी रहे हैं कि अगले विधानसभा चुनाव में उनका हश्र वैसा ही न हो जाये जैसा कि महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे का हुआ है। पहले समर्थन देकर भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया लेकिन उनके बल पर चुनाव जीतकर भाजपा के देवेन्द्र फडणवीस मुख्यमंत्री बन गये। वैसे भी भाजपा की प्रदेश इकाई तो कह ही चुकी है कि श्पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को तभी सच्ची श्रद्धांजलि होगी जब बिहार में भाजपा की अपनी सरकार बनेगी।श इसलिये हाल ही में नीतीश कुमार राज्य भर का अकेले दौरा कर रहे हैं जबकि जेडीयू नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस का हिस्सा है। वे यह तैयारी कर रहे हैं कि भाजपा द्वारा धोखा मिलने पर वे अकेले चुनाव लड़ें। यह टास्क अपने आप में किसी को डराने या परेशान करने के लिये काफी होना चाहिये। इसके अलावा अनेक मामले हैं जिन्हें लेकर नीतीश घिरते जा रहे हैं। पहला तो है विशेष राज्य का दर्जा न मिलना जिसके आकर्षण में वे राजद के साथ गठबन्धन तोड़कर एनडीए में वापस चले गये थे। फिर, उनके कोर वोट बैंक दलितों, ओबीसी व मुसलमानों को भाजपा से दुश्वारियां मिलने के बावजूद उन्हें भाजपा के साथ जुड़े रहकर साथियों की नाराजगी व अपमान झेलना पड़ रहा है। लेकिन सियासत की इन तमाम बातों से ऊपर उठकर सवाल यह है कि नीतीश कुमार या उनके जैसे कई और नेता किसी स्त्री के राजनीति में आगे बढ़ने पर सहज क्यों नहीं रह पाते हैं। राबड़ी देवी खुद से राजनीति में आईं या अपने पति के कहने पर आईं, यह किसी और की चिंता का विषय नहीं है। राबड़ी देवी के कार्यकाल की आलोचना नीतीश कुमार कर सकते हैं, लेकिन उनके राजनीति में होने पर कुछ कहना हर लिहाज से गलत है। नीतीश कुमार जब राबड़ी देवी पर कुछ न जानने का कटाक्ष कर रहे थे, तो वे एक स्त्री के साथ–साथ राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री को भी अपमानित कर रहे थे।

ट्रम्प की 2 अप्रैल की डेडलाइन के करीब आने से भारतीय दवा उद्योग तनाव में

भारत चीन नहीं है और चीन भारत नहीं है, हमें यह स्पष्ट रूप से समझना चाहिए। सबसे पहले, चीन एक साम्यवादी देश है, जिसका देश की नीतियों पर पूर्ण नियंत्रण है और उसे किसी भी तरह का विरोध नहीं करना पड़ता, जबकि भारत एक लोकतंत्र है, जहां सत्ता में बैठे राजनीतिक नेता लोगों और विपक्षी दलों के प्रति जवाबदेह हैं, जो सार्वजनिक हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं। क्या भारत भी चीन की तर्ज पर भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क के विरुद्ध जवाबी टैरिफ लगा सकता है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने दोस्ताना संबंधों के बावजूद सार्वजनिक रूप से घोषणा की है कि अमेरिकी उत्पादों पर भारतीय टैरिफ सबसे अधिक हैं, इसलिए क्यों नहीं भारतीय उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाये जायें। भारत चीन नहीं है और चीन भारत नहीं है, हमें यह स्पष्ट रूप से समझना चाहिए। सबसे पहले, चीन एक साम्यवादी देश है, जिसका देश की नीतियों पर पूर्ण नियंत्रण है और उसे किसी भी तरह का विरोध नहीं करना पड़ता, जबकि भारत एक लोकतंत्र है, जहां सत्ता में बैठे राजनीतिक नेता लोगों और विपक्षी दलों के प्रति जवाबदेह हैं, जो सार्वजनिक हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह आशंका है कि भारत के शीर्ष उद्योगपति गौतम अडानी और मुकेश अंबानी, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का लाभार्थी बताया जाता है, जिनका विनिर्माण से लेकर बुनियादी ढांचे और सूचना प्रौद्योगिकी तक के उद्योग में व्यापक प्रभाव है, अमेरिकी टैरिफ से बुरी तरह प्रभावित होंगे, हालांकि भारत के शीर्ष बैंक एसबीआई का दावा है कि भारतीय उद्योग पर अमेरिकी टैरिफ का प्रभाव सीमित होगा। एसबीआई रिसर्च का कहना है कि यूएस टैरिफ भारतीय निर्यात में केवल 3–3.5प्रतिशत की कटौती कर सकते हैं। भारत के विविध निर्यात यूएस टैरिफ प्रभाव को कम करेंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत यूएस पारस्परिक टैरिफ के प्रभाव को अवशोषित करने के लिए अच्छी स्थिति में है। रिपोर्ट के अनुसार विनिर्माण और सेवाओं में भारत के बढ़ते निर्यात पारस्परिक टैरिफ के प्रभाव को नकार देंगे। जो भी हो, यदि ट्रम्प भारतीय दवाओं पर टैरिफ लगाते हैं, तो लाखों अमेरिकियों को दवाओं की लागत में उछाल देखने को मिल सकता है। अगले महीने भारत पर डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ के साथ, लाखों अमेरिकियों को अधिक चिकित्सा बिलों का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका में ली जाने वाली लगभग आधी जेनेरिक दवाएं अकेले भारत से आती हैं। जेनेरिक दवाएं – जो ब्रांड–नाम वाली दवाओं के सस्ते संस्करण हैं – भारत जैसे देशों से आयातित हैं, जो अमेरिका में 10 में से नौ नुस्खों में उपयोग किए जाते हैं। इससे वाशिंगटन को स्वास्थ्य सेवा लागत में अरबों की बचत होती है। कंसल्टिंग फर्म इक्विआ के एक अध्ययन के अनुसार, अकेले वर्ष 2022 में, भारतीय जेनेरिक दवाओं से अमेरिका की बचत 219 बिलियन (ख169 बिलियन) तक पहुंच गयी।

विशेषज्ञों का कहना है कि व्यापार समझौते के बिना, ट्रम्प के टैरिफ कुछ भारतीय जेनेरिक दवाओं को अव्यवहारिक बना सकते हैं, जिससे कंपनियों को बाजार के एक हिस्से से बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है और मौजूदा दवा की कमी और बढ़ सकती है। येल विश्वविद्यालय की दवा लागत विशेषज्ञ डॉ. मेलिसाबारबर का कहना है कि टैरिफ श्मांग–आपूर्ति असंतुलन को और खराब कर सकते हैंश और बीमा रहित और गरीब लोग दुष्प्रभावित होंगे। इसका असर कई तरह की स्वास्थ्य स्थितियों से पीड़ित लोगों पर पड़ सकता है। भारतीय फार्मास्युटिकल एलायंस (आईपीए) द्वारा वित्तपोषित इक्विआ अध्ययन के अनुसार, अमेरिका में उच्च रक्तचाप और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों के लिए 60प्रतिशत से अधिक नुस्खे भारतीय निर्मित दवाओं से भरे जाते हैं। चीनी आयात पर अपने टैरिफ के कारण ट्रम्प पहले से ही अमेरिकी अस्पतालों और जेनेरिक दवा निर्माताओं के दबाव का सामना कर रहे हैं। अमेरिका में बेची जाने वाली 87 प्रतिशत दवाओं के लिए कच्चा माल देश के बाहर स्थित है और मुख्य रूप से चीन में केंद्रित है, जो वैश्विक आपूर्ति का लगभग 40प्रतिशत पूरा करता है। ट्रम्प के सत्ता में आने के बाद से चीनी आयात पर टैरिफ में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथा दवाओं के लिए कच्चे माल की लागत पहले ही बढ़ गयी है। ट्रम्प चाहते हैं कि कंपनियां उनके टैरिफ से बचने के लिए विनिर्माण को अमेरिका में स्थानांतरित करें। फिजर और एलीलिली जैसी बड़ी फार्मा दिग्गज कंपनियां, जो ब्रांड नाम और पेटेंट वाली दवाएं बेचती हैं, ने कहा है कि वे कुछ विनिर्माण को वहां स्थानांतरित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन कम मूल्य वाली दवाओं के लिए अर्थशास्त्र सही नहीं है। भारत की सबसे बड़ी दवा निर्माता कंपनी सन फार्मा के अध्यक्ष दिलीप संघवी ने पिछले सप्ताह एक उद्योग सभा में कहा कि उनकी कंपनी अमेरिका में प्रति बोतल 1 से 5 के बीच की दर से गोलियां बेचती है और टैरिफ श्हमारे विनिर्माण को अमेरिका में स्थानांतरित करने का औचित्य नहीं देते। इंडिया फार्मास्यूटिकल एसोसिएशन (आईपीए) के सुदर्शन जैन कहते हैं, श्भारत में विनिर्माण अमेरिका की तुलना में कम से कम तीन से चार गुना सस्ता है। कोई भी त्वरित स्थानांतरण असंभव होगा। लॉबी समूह पीएचआरएमए के अनुसार, एक नई विनिर्माण सुविधा बनाने में 2 बिलियन तक की लागत आ सकती है और इसे चालू होने में पांच से 10 साल लग सकते हैं। भारत में स्थानीय फार्मा कंपनियों के लिए, टैरिफ झटका बहुत बड़ा हो सकता है। व्यापार अनुसंधान एजेंसी जीटीआरआई के अनुसार, फार्मास्यूटिकल क्षेत्र भारत का सबसे बड़ा औद्योगिक निर्यात है।

शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों के खिलाफ आवाज

इंडिया ब्लॉक के छात्र संगठनों ने शिक्षा के निजीकरण, भगवाकरण के विरोध और छात्र संघ की बहाली को लेकर जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि सरकार आरएसएस की विचारधारा थोप रही है और शिक्षा को व्यापार बना रही है। इस प्रदर्शन में एनएसयूआई, आईसा, एसएफआई, एआईएसएफ, एमएसएफ, सीआरजेडी और समाजवादी छात्रसभा ये सभी छात्र संगठन एक बैनर के तले पहुंचे। छात्र संगठनों का कहना है कि सरकार की नीतियों से शिक्षा महंगी हुई है. गरीब बच्चों की पहुंच से अच्छी शिक्षा दूर होती जा रही है। छात्रों ने आरोप है कि शिक्षा का निजीकरण और केंद्रीकरण किया जा रहा है। गरीब विरोधी नीतियों का असर मध्यम वर्ग के छात्रों की शिक्षा पर पड़ रहा है। धांधली और पेपर लीक जैसी समस्याओं के खिलाफ छात्र संगठनों ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालयों में चुनावों की बहाली, प्रशासन में पारदर्शिता और आरक्षण से जुड़े मुद्दों पर भी छात्रों ने सरकार का ध्यान आकर्षित किया। इस प्रदर्शन को लेकर एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा, श्सरकार शिक्षा प्रणाली को कमजोर कर रही है। छात्र संघों के चुनावों पर रोक से साफ है कि सरकार शिक्षित और जागरूक युवाओं से डरती है। अगर सरकार हमारी मांगें नहीं मानती, तो आंदोलन और बड़ा होगा और देशभर में गूंज सुनाई देगी। महीने भर के भीतर दूसरी बार इस तरह से अलग–अलग छात्र संगठन जंतर–मंतर पर एकत्र हुए हैं। इधर अलग–अलग विश्वविद्यालयों में जागरुक छात्र अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते ही रहते हैं। लेकिन इस वक्त जिस तरह से सरकार की नीतियों के खिलाफ छात्र संगठन एकजुट हो रहे हैं, वह देश में बड़े बदलाव की आहट देता है। इतिहास गवाह है कि जब भी युवा शक्ति ने आवाज उठाई है, तब सत्ताधीशों को बड़ी चोट पहुंची है। फिलहाल छात्र संगठनों ने आंदोलन बढ़ने की जो चेतावनी दी है, उसे मोदी सरकार को सुनना चाहिए। क्योंकि जो सवाल छात्र उठा रहे हैं, वो बेमानी नहीं हैं, न ही इनमें किसी एक पार्टी का एजेंडा बढ़ाया जा रहा है। बल्कि यह समाज के समग्र विकास और युवा पीढ़ी की बेहतरी के लिए ही है। इसी बेहतरी का दावा नरेन्द्र मोदी कई बार करते रहे हैं। संकल्प, ऊर्जा, दृढ़ विश्वास, जैसे शब्दों के दोहराव अलग–अलग तरीके से करते हुए श्री मोदी कई मंचों से यह बात कह चुके हैं कि उनकी सारी नीतियां और फैसले देश को विकास की राह पर ले जा रहे हैं, जिसमें नयी पीढ़ी के लिए सब कुछ अच्छा ही अच्छा है। लेकिन हकीकत कुछ और ही है। छात्रों के सामने अब केवल डिग्री हासिल करने के बाद नौकरी मिलने की चिंता ही नहीं है, बल्कि उस डिग्री की राह में भी अब कई रोड़े आ रहे हैं। पेपर लीक और परीक्षाओं में कई किस्म की धांधलियां तो एक बड़ी समस्या है ही, इसके अलावा अब वैचारिक मतभेद रखने पर भी छात्र अन्याय का शिकार हो रहे हैं। ताजा प्रकरण नयी दिल्ली से ही सामने आया है, जहां डॉ. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय में अंतिम वर्ष की एमए छात्रा को इस वर्ष गणतंत्र दिवस पर विश्वविद्यालय की कुलपति अनु सिंह लाठर द्वारा दिए गए भाषण की कथित रूप से आलोचना करने के लिए निलंबित कर दिया गया है। खबर के मुताबिक कुलपति लाठर ने अपने भाषण में कहा था कि राम जन्मभूमि आंदोलन 525 साल पुराना है और यह कोई नया मुद्दा नहीं है। कुलपति ने राम मंदिर की स्थापना के लिए राज्य की सराहना की और डॉ. बीआर आंबेडकर को सिफ ́दलित समुदाय का व्यक्ति न मानकर राष्ट्रीय व्यक्ति बनाने की बात कही थी। इस भाषण के बाद 28 जनवरी को आईसा से जुड़ी छात्रा ने कुलपति द्वारा की गई टिप्पणियों की निंदा की थी। जिस पर 21 मार्च को प्रॉक्टोरियल बोर्ड के एक आदेश में विश्वविद्यालय ने श्अनुशासनहीनताश और संस्थान प्रमुख के खिलाफ श्अपमानजनक भाषाश के इस्तेमाल का आरोप लगाया। इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप छात्रा को छह महीने (पूर्ण शीतकालीन सेमेस्टर) के लिए निलंबित कर दिया गया है तथा इस अवधि के दौरान परिसर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

विश्वविद्यालय ने कहा कि छात्रा को 17 फरवरी को कारण बताओ नोटिस दिया गया था और उसे 28 फरवरी को प्रॉक्टोरल बोर्ड के साथ व्यक्तिगत बातचीत के लिए उसके माता–पिता के साथ बुलाया गया था। निलंबन आदेश में कहा गया है कि केवल छात्रा ही प्रॉक्टोरल मीटिंग में आई थी और उसके माता–पिता नहीं आए थे। प्रॉक्टोरल मीटिंग के बाद छात्रा द्वारा लिखित प्रतिक्रिया श्माफी मांगने वाली नहींश थी। वहीं निलंबित छात्रा ने आरोप लगाया कि उन्हें इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वह मुस्लिम पहचान वाली महिला हैं। उन्होंने कहा, श्मैं अपने अंतिम सेमेस्टर में हूं और अंतिम सबमिशन मई के मध्य में होना है। यह मेरी डिग्री को एक साल के लिए बढ़ाने का एक बहुत ही सचेत प्रयास है।श पीड़ित छात्रा ने एक गंभीर सवाल उठाया है कि, श्यदि केवल सवाल पूछने के कृत्य को ही आपराधिक बना दिया जाए तो हमारे विश्वविद्यालयों को किस बात के लिए खड़ा होना चाहिएश इस मानसिक और भावनात्मक उत्पीड़न को और बढ़ाने के पीछे स्पष्ट प्रेरणा और कुछ नहीं बल्कि प्रशासन द्वारा सभी असहमत छात्रों के लिए एक उदाहरण स्थापित करने और उनकी आवाज को अनिश्चितकाल के लिए दबाने की एक जानबूझकर की गई साजिश है।

सीएम योगी का निर्देश

गर्मी की छुट्टी के दौरान भी खुलेंगे स्कूल, 20 मई से 15 जून के बीच लगेंगे समर कैंप

गोरखपुर। परिषदीय विद्यालयों के बच्चों के लिए अब गर्मी की छुट्टियों में समर कैंप लगाए जाएंगे। इनमें बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाई के साथ ही अतिरिक्त गतिविधियों से भी जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बेसिक शिक्षा विभाग ने

यूपी के परिषदीय स्कूल गर्मियों की छुट्टियों के दौरान भी खोले जाएंगे। इस दौरान यहां समर कैंप के अलावा दूसरी गतिविधियां भी होंगी।

इसकी तैयारी शुरू कर दी है। समर कैंप 20 मई से 15 जून के बीच चयनित विद्यालयों में आयोजित किए जाएंगे।समर कैंप का उद्देश्य बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखते हुए सीखने के लिए प्रेरित करना है। विभाग इस पर लगभग 200 करोड़ खर्च करेगा। यह पहल न सिर्फ बच्चों के शैक्षिक विकास को बढ़ावा देगी, बल्कि उनकी छिपी प्रतिभाओं को निखारने में भी मददगार साबित होगी। अब तक इस तरह की कवायद सिर्फ निजी विद्यालयों में ही होती है। विभाग के अनुसार कैंप में फाउंडेशनल लिट्रेसी और न्यूमेरेसी (एफएलएन) पर आधारित गतिविधियां होंगी। जीवन कौशल, व्यक्तित्व विकास, योग, खेलकूद, विज्ञान-तकनीक आधारित प्रयोग, कला-सांस्कृतिक कार्यक्रम और पर्यावरण के प्रति उन्हें जागरूक बनाया जाएगा। कैंप सुबह डेढ़ घंटे तक ही आयोजित किए जाएंगे। शिक्षामित्र, अनुदेशक और शिक्षकों की देखरेख में कैंप का संचालन होगा। कैंप में बच्चों को सप्लीमेंट्री न्यूट्रीशन के तहत गुड़ की चिक्की, बाजरे का लड्डू, रामदाना लड्डू, गुड़-चना और लैया पट्टी जैसी पौष्टिक खानपान की चीजें भी दी जाएगी।

शिक्षकों-कर्मचारियों का ईद से पहले करें वेतन का भुगतान

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (चंदेल गुट) ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि शिक्षक-कर्मचारियों को ईद के पहले वेतन भुगतान किया जाए। साथ ही 31 मार्च को ईद को देखते हुए बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन कार्य बंद किया जाए। संघ के प्रदेश मंत्री संजय द्विवेदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे पत्र में कहा है कि ईद 31 मार्च को है। सरकार की वित्तीय नियमावली के अनुसार माह की आखिरी तारीख पर पड़ने वाले अवकाश व पर्व के दृष्टिगत एडवांस में वेतन भुगतान किया जा सकता है। पूर्व में भी ऐसा किया गया है। ऐसे में ईद को ध्यान में रखते हुए सरकार कर्मचारियों को एडवांस में वेतन भुगतान करें। द्विवेदी ने कहा कि यूपी बोर्ड की कॉपियों का मूल्यांकन 19 मार्च से शुरू हुआ है, जो दो अप्रैल तक चलेगा। ईद के दृष्टिगत 31 मार्च को प्रदेश के सभी मूल्यांकन केंद्रों पर मूल्यांकन कार्य स्थगित करने के निर्देश जारी किए जाएं।

गोरखपुर की कातिल दुल्हन

फेसबुक से बनी हत्यारिन, पति-बेटे का किया था कत्ल आशिकी में कई बनी... खूनी स्त्री

गोरखपुर।शाहपुर की अर्चना यादव पर 20 जनवरी वर्ष 2016 को फिरोजाबाद के प्रेमी अजय यादव के साथ मिलकर पति डॉ. ओमप्रकाश यादव और मासूम बेटे शिवा की हत्या का आरोप लगा था। इसमें उसे सिविल कोर्ट से सजा मिली थी। नौ साल बाद अर्चना और उसके प्रेमी अजय यादव को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। जिले में भी मेरठ जैसी कई घटनाएं अंजाम दी गई हैं। इसमें कई जिंदगियां तबाह हो गईं। मेरठ की मुस्कान की तरह गोरखपुर की अर्चना, सीतांजली, नीलम और सादिया ने भी शादी के बाद पति की हत्या कर प्रेमी के प्यार को पाना चाहा, लेकिन जिंदगी भर का गम हाथ आया। हंसता-खेलता परिवार बर्बाद करने की वजह से समाज और परिवार ने दूरी बना ली। अब हर जगह मुंह छिपाते फिरना पड़ रहा है।

जेल से छूटी अर्चना तो कोई लेने नहीं आया

शाहपुर की अर्चना यादव पर 20 जनवरी वर्ष 2016 को फिरोजाबाद के प्रेमी अजय यादव के साथ मिलकर पति डॉ. ओमप्रकाश यादव और मासूम बेटे शिवा की हत्या का आरोप लगा था। इसमें उसे सिविल कोर्ट से सजा मिली थी। नौ साल बाद अर्चना और उसके प्रेमी अजय यादव को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। अभी 20 दिन पहले महराजगंज जेल से अर्चना को रिहा किया गया है। उधर, वाराणसी जेल में बंद अजय यादव की रिहाई भी भिजवा दी गई है। शुक्रवार तक वह जेल से बाहर आ जाएगा। बताया जा रहा है कि जेल से छूटने के बाद अर्चना को घर ले जाने परिवार का कोई नहीं आया। इस वजह से उसे कुछ दिन संवासिनी गृह में रखा गया। कुछ दिन पहले वह वहां से कहीं चली गई। ससुराल व उसके परिवार के लोग उसका नाम भी सुनना नहीं चाहते हैं।

सीतांजली की मिली जमानत, छिपकर बिता रही जिंदगी

सात अप्रैल 2023 को दुबई से कमाकर गीडा के मल्हीपुर स्थित अपने घर लौटे रामानंद विश्वकर्मा का शव पोखरे में मिला था। गीडा पुलिस ने जांच की तो पता चला कि रामानंद की पत्नी सीतांजली ने प्रेमी बृजमोहन व उसके दोस्त के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी थी। रामानंद के आने से पहले ही सीतांजली ने प्रेमी के साथ मिलकर साजिश रच ली थी। पति के दुबई से वापस आने पर उसे अंजाम दिया था। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया था। दो साल बाद सीतांजली और बृजमोहन जमानत पर बाहर आ गए। वर्तमान में दोनों अलग-अलग रह रहे हैं।

सीतांजली इधर-उधर छिपकर जिंदगी बीता रही है। वहीं दोनों को जमानत मिलने पर रामानंद के पिता रामप्रीत विश्वकर्मा ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा-भले ही दोनों जेल से बाहर आ गए हैं, जब तक सजा नहीं करा लूंगा तब तक चैन से नहीं बैठूंगा। यह कहते हुए उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े।

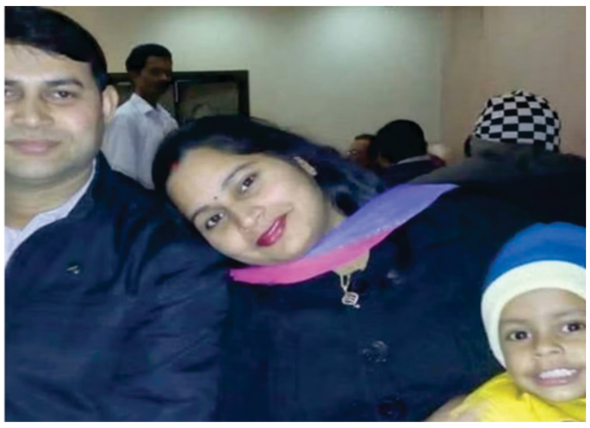

पति की हत्या करने की आरोपी सादिया और अभिषेक जेल में बंद

गोरखनाथ क्षेत्र में मई 2023 में रेलकर्मी अफरोज आलम (50) की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। मामले में गोरखनाथ पुलिस ने जांच की तो सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हत्या के आरोप में रेलकर्मी की पत्नी सादिया और महराजगंज के प्रेमी अभिषेक चौधरी और उसके दोस्तों को गिरफ्तार कर जेल भिजवाया गया था। सभी आरोपी अभी भी जेल में बंद हैं। इस केस का ट्रायल भी तेजी से चल रहा है। पुलिस का दावा है कि बहुत जल्द आरोपियों को सजा सुनाई जाएगी।

पति और बच्चों की हत्या के आरोप में आजीवन कारावास

सहजनवां के सहबाजगंज में 26 फरवरी 2023 की देर रात पति अवधेश गुप्ता (35) उनके बेटे सात साल के आर्यन व छह साल के आरव की गर्दन रेतकर हत्या कर दी गई थी। इस केस में आरोपी पत्नी नीलम को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया था। एक साल आठ माह तक कोर्ट में सुनवाई चली, फिर नीलम को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। जेल में नीलम बिल्कुल शांत रहती है। वह किसी से बात भी नहीं करती है।

पीएम आवास योजना में जालसाजी का आरोपी कंप्यूटर आपरेटर गिरफ्तार

सात लोगों ने की थी शिकायत

गोरखपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मानबेला में मकान दिलाने के नाम पर जालसाजी के आरोपी अभय साहनी को चिलुआताल पुलिस ने क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की मानें तो अभय डूडा (नगरीय विकास अभिकरण) में ही कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत था। गोरखपुर के अलावा महराजगंज, संतकबीरनगर से आए सात लोगों ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर जालसाजी की जानकारी देते हुए कार्रवाई की मांग की थी। एसएसपी के निर्देश पर चिलुआताल पुलिस ने केस दर्ज किया था। जांच के बाद आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद जेल भिजवा दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अभय साहनी पिपराइच थाना क्षेत्र के रिठिया गांव का मूल निवासी है। पीड़ितों ने पुलिस को बताया था कि उनकी रिश्तेदारी मानबेला में है, वहीं पर अभय साहनी से मुलाकात हुई। आरोपी ने बताया कि मानबेला में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनवाए जा रहे हैं। वह संबंधित डूडा कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है। बहुत लोगों को मानबेला में आवास दिलवा चुका है। अभी इस समय केवल अनुसूचित वर्ग के लोगों के लिए मकान का फॉर्म भरा जा रहा है। आरोप है कि फॉर्म भरने के नाम पर अभय साहनी ने 06 मई 2022 को प्रत्येक व्यक्ति से दस-दस हजार रुपये लिए।

घर से थाने लेकर गई थी पुलिस...हो गई मौत

परिजनों ने लगाया पिटाई का आरोप- हंगामा, थानाध्यक्ष लाइन हाजिर

बस्ती। इससे पहले शव का तीन डॉक्टरों के पैनल की देखरेख में पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के बाद परिवार के लोगों ने शव को सुपुर्दगी में लेने से इन्कार कर दिया। वे कहने लगे कि जब तक पुलिस कर्मियों पर एफआईआर दर्ज नहीं की जाती है तब तक वे शव को नहीं ले जाएंगे। एडीएम प्रतिपाल सिंह, एएसपी ओपी सिंह सहित अन्य अधिकारी शाम करीब सवा छह बजे तक मान-मनौव्वल करते रहे। दुबौलिया थानाक्षेत्र के उभाई निवासी आदर्श उपाध्याय (17) की मौत के मामले में रात पौने नौ बजे तक डीएम आवास पर धरना प्रदर्शन चलता रहा। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र के धरने के समर्थन में पहुंचने के बाद एसपी अभिनंदन ने दुबौलिया के थानाध्यक्ष जितेंद्र सिंह को लाइन हाजिर कर दिया। साथ ही दो आरोपी आरक्षियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा रही है। डीएम रवीश गुप्ता ने पूरे मामले का मजिस्ट्रियल जांच का आदेश दिया है। इसके बाद परिवार के लोग पोस्टमार्टम हाउस पर शव लेने गए। उधर, कलेक्ट्रेट की सीढ़ियों और गेट पर सदर विधायक महेंद्र नाथ यादव, कप्तानगंज विधायक कवींद्र चौधरी के अलावा एबीवीपी और कांग्रेस पार्टी के लोग देर रात तक डटे रहे। इससे पहले बुधवार को शव का तीन डॉक्टरों के पैनल की देखरेख में पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के बाद परिवार के लोगों ने शव को सुपुर्दगी में लेने से इन्कार कर दिया। वे कहने लगे कि जब तक पुलिस कर्मियों पर एफआईआर दर्ज नहीं की जाती है तब तक वे शव को नहीं ले जाएंगे। एडीएम प्रतिपाल सिंह, एएसपी ओपी सिंह सहित अन्य अधिकारी शाम करीब सवा छह बजे तक मान-मनौव्वल करते रहे। उनकी बात को नजरअंदाज करते हुए शव को एम्बुलेंस में ही छोड़कर डीएम कार्यालय पर धरना देने पहुंच गए। हालांकि पोस्टमार्टम में पिटाई से मौत की पुष्टि नहीं हुई है मगर परिवार के लोग और उस परिवार के शुभचिंतक लगातार आरोप लगा रहे हैं कि पुलिस की पिटाई के चलते ही आदर्श उपाध्याय की मौत हुई। इसलिए पुलिस कर्मियों पर एफआईआर दर्ज नहीं की जाती तब तक वे लोग शव की सुपुर्दगी नहीं लेंगे। इससे पहले पोस्टमार्टम हाउस पर गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा, हर्रैया विधायक अजय सिंह, सदर विधायक महेन्द्र यादव, पंडित सरोज मिश्र आदि ने पहुंचकर पीड़ित परिवार को सांत्वना दी, साथ ही प्रकरण में उचित कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया। उधर, मंगलवार रात पुलिस ने गांव के अशोक गुप्ता की तहरीर पर आदर्श के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज कर लिया।

प्रेमी के प्यार में अंधी मां

दो बच्चों को छोड़ आशिक से की शादी... बिलखते रह गए मासूम, पति ने करवाई रस्में

संतकबीरनगर । गांव वालों का कहना है कि 1 वर्ष पहले महिला और गांव निवासी एक युवक के बीच प्रेम प्रपंच शुरू हुआ जो मार्च 2025 आते-आते परवान चढ़ गया। महिला करीब एक सप्ताह पहले अपने प्रेमी के साथ घर से फरार हो गई। उत्तर प्रदेश के संतकबीरनगर जिले के धनघटा क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला को सोमवार को मां की ममता नहीं डिगा पाई। अपने छोटे-छोटे दो बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ शादी कर ली। शादी के दौरान मौजूद लोग महिला को समझाते बुझाते रह गए बच्चे अलग-अलग बिलखते रहे, लेकिन वह अपने जिद पर अड़ी रही। वहीं पत्नी की शादी की रस्मों के दौरान पति मौजूद रहा। धनघटा क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक की शादी वर्ष 2017 में गोरखपुर जिले के एक गांव में हुई थी। महिला दो बच्चों की मां बनी जिनकी उम्र क्रमशः 7 व 2 वर्ष है। महिला का पति घर पर रहकर मेहनत मजदूरी करता है। गांव वालों का कहना है कि 1 वर्ष पहले महिला और गांव निवासी एक युवक के बीच प्रेम प्रपंच शुरू हुआ जो मार्च 2025 आते-आते परवान चढ़ गया। महिला करीब एक सप्ताह पहले अपने प्रेमी के साथ घर से फरार हो गई। जिसके तलाश में उसके परिजन लगे रहे। सोमवार की सुबह महिला अपने प्रेमी के साथ घर पर पहुंची और प्रेमी से शादी करने की बात कहने लगी। गांव के लोग दोनों को काफी समझाए-बुझाए लेकिन वह किसी भी कीमत पर मानने को तैयार नहीं हुई।

महाकुंभ से कितनी बदली यूपी की आर्थिकी

सबको बताएगी योगी सरकार, विभागों को दी गई आंकड़े जुटाने की जिम्मेदारी

प्रदेश सरकार का पत्र मिलने के बाद आंकड़े जुटाने में जुटा अर्थ एवं संख्या विभाग

राजमार्गों पर स्थित टोल प्लाजा, होटल–रेस्टोरेंट आदि के माध्यम से हो रहा आकलन

, अयोध्या। तीर्थराज प्रयाग की धरा पर डेढ़ माह तक चले महाकुंभ से जिलों व राज्य की आर्थिकी में कितना बदलाव आया, कितना राजस्व प्राप्त हुआ, कितने पर्यटकों व श्रद्धालुओं का आगमन हुआ और पर्यटन के क्षेत्र में क्या परिवर्तन आया, प्रदेश सरकार इसे सार्वजनिक करेगी। इसके लिए जिलों में आकलन शुरू हो गया है। इसे राजमार्गों पर पड़ने वाले टोल प्लाजा, होटल–रेस्टोरेंट, रेलवे व बस स्टेशन आदि के माध्यम से आंकलित किया जा रहा है। पत्र प्राप्त होने के बाद अर्थ एवं संख्या विभाग

प्रयागराज कुंभ मेले के दौरान उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में हुए बदलाव का आकलन करने के लिए योगी सरकार ने कमर कस ली है। सरकार यह पता लगाएगी कि डेढ़ महीने तक चले इस महाकुंभ से जिलों और राज्य की अर्थव्यवस्था में कितना बदलाव आया कितना राजस्व प्राप्त हुआ और पर्यटन के क्षेत्र में क्या परिवर्तन हुआ। इसके लिए जिलों में आकलन शुरू हो गया है।

आंकड़े जुटाने में लगा है।

प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित हुए महाकुंभ के दौरान देश–विदेश के लगभग 65 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में स्नान–ध्यान किया था। तत्समय धर्मनगरी अयोध्या में भी धर्म व अध्यात्म की अविरल धारा प्रवाहित होती रही।

डेढ़ माह में लगभग ढाई करोड़ से अधिक श्रद्धालु रामलला व बजरंग बली के दर्शन के लिए पहुंचे थे। एक–एक दिन में चार लाख से अधिक भक्त राम मंदिर में दर्शन कर काशी या अन्य गंतव्य को प्रस्थान करते रहे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन के कारण राजमार्गों पर जाम लगा रहता था। रामनगरी में भी दिन भर जाम की स्थिति रहती थी। होटल–रेस्टोरेंट, होम स्टे व धर्मशालाएं खचाखच भरी रहती थीं। अब जबकि उस विकट स्थिति से निपट लिया गया, महाकुंभ सकुशल समाप्त हो गया तो प्रदेश सरकार इससे आए भौगोलिक, आर्थिक, धार्मिक व सामाजिक बदलाव का आकलन करा रही है।

सूत्रों का कहना है कि प्रदेश सरकार ने उन सभी संबंधित विभागों को पत्र भेज आंकड़े जुटाने को कहा है, जिनका किसी भी स्तर पर जुड़ाव रहा। जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी अशोक शाक्य ने बताया कि शासन के निर्देश पर राजमार्गों के सभी टोल प्लाजा से महाकुंभ के दौरान व इसके पूर्व गुजरे वाहनों की संख्या, उनसे मिले राजस्व आदि की जानकारी मांगी गई है।

महाकुंभ की तरह लागू की जाएंगी रामलला के दर्शन की व्यवस्थाएं

रामभक्तों की संख्या अधिक होने पर महाकुंभ के समय की दर्शन व्यवस्था को फिर लागू किया जाएगा। रामनवमी पर छह अप्रैल को मनाए जाने वाले रामजन्मोत्सव में गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसी के दृष्टिगत समस्त व्यवस्थाएं पुख्ता की जा रही हैं, जिससे महाकुंभ की तरह राम मंदिर में दर्शन व्यवस्था सुचारु ढंग से चलती रहे।

भाजपा में नफरत की दुर्गंध...

कन्नौज पहुंचे अखिलेश यादव ने की सियासी घेराबंदी, कहा- सुरक्षित नहीं मुख्यमंत्री की कुर्सी

1108 कुंडीय यज्ञ में पार्टी नेताओं के साथ अखिलेश ने दी आहुतियां

दीवार फांदकर मैदान में घुसते युवकों को सीओ सिटी पीटकर भगाया

संवाददाता, कन्नौज। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को धार्मिक आयोजनों में भाग लिया। शहर के बोर्डिंग ग्राउंड में चल रहे 1108 कुंडीय मृत्युंजय मां पीतांबरा महायज्ञ में पार्टी के पदाधिकारियों व स्थानीय लोगों के साथ आहुतियां दी। इसके बाद उन्होंने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा में नफरत की दुर्गंध है, शहर के इत्र कारोबारियों ने दुर्गंध को कम किया। आगे कम करना बाकी है। मुख्यमंत्री की कुर्सी सुरक्षित नहीं है।

शहर के बोर्डिंग मैदान में चल रहे 1108 कुंडीय मृत्युंजय मां पीतांबरा महायज्ञ में बुधवार दोपहर करीब एक बजे सपा मुखिया व कन्नौज सांसद अखिलेश यादव पहुंचे। यज्ञाचार्य रामदास महाराज ने सबे पहले मां पीतांबरा माई का पूजन–अर्चना किया। इसके बाद अखिलेश यादव ने यज्ञ में आहुतियां डाली। यज्ञशाला से बाहर निकलने के बाद उन्होंने प्रेसवार्ता की। इस दौरान भाजपा पर आक्रामक होते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के आठ साल पूरे हो रहे हैं, लेकिन इन दिनों में कन्नौज का विकास काट दिया। पुलिस को दौड़ लगाकर आइएएस अफसरों को पकड़ना पड़ रहा।

भ्रष्टाचार से तंग आकर सरकार के विधायक बदलाव की मांग कर रहे हैं। बस्ती के विधायक ने कहा कि अब बाबा को दिल्ली जाना चाहिए। इससे अब यूपी की जनता को बाबा की जरूरत नहीं है। खुलेआम लूट हो रही है। मुख्यमंत्री की कुर्सी सुरक्षित नहीं है। प्रदेश सरकार की जल्द विदाई होने वाली है। वहीं पूर्व सांसद सुब्रत पाठक के अखिलेश पर जालीदार टोपी लगाने पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें लाल टोपी नेताजी मुलायम सिंह ने दी है। यह टोपी बदलने वाली नहीं है। टोपी तो दल बदलने वाले लोग बदलते हैं। होली और दीपावली पर कर्मचारियों को कोई गिफ्ट नहीं मिला।

अब नवरात्र पर बाबा एक एक शराब की बोतल के साथ दूसरी मुफ्त में दे रहे हैं। सरकार ने लोगों की आय नहीं बढ़ाई है आलू

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कन्नौज में धार्मिक आयोजनों में भाग लिया। उन्होंने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला और कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है और मुख्यमंत्री की कुर्सी सुरक्षित नहीं है। अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि भाजपा में नफरत की दुर्गंध है लेकिन कन्नौज के इत्र कारोबारियों ने इस दुर्गंध को कम किया है।

का भाव गिर रहा है। इससे किसान परेशान है। इस मौके पर पूर्व विधायक अरविंद यादव, सपा नेता विजय द्विवेदी, जयकुमार तिवारी, गुड्डू सक्सेना, अनिल पाल, पीपी सिंह, आकाश शाक्य, संजय दुबे समेत कई लोग मौजूद रहे।

कन्नौज से पुराना रिश्ता, भारतीय होना मेरा गर्व

कन्नौज से हमारा पुराना रिश्ता है और कभी टूटेगा भी नहीं। सनातन होने के साथ भारतीय होने का हमको गर्व है। यह बात सपा अध्यक्ष ने कही और फिर नगर की गलियों में घूमना शुरू कर दिया। अपनों के घरों पर गए और दुकानों में पहुंचकर हालचाल लेने लगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का काफिला कस्बे के दुर्गा नगर गढ़ी में रिपु दमन सिंह के आवास पर रुका। वहां पर उनके पिता स्व. रामनारायण सिंह बघेल की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाए। फिर पैदल चलकर पास में ही अर्जुन सिंह के घर पहुंचे। वहां स्व. हरदेव सिंह ज्यूक की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाए। वहीं शिवेंद्र प्रताप सिंह चौहान के घर उनके बेटे सचिन चौहान व उनीक पुत्रवधू को आशीर्वाद दिया।

भगवान की कृपा है मेरी शादी नहीं हुई...

मेरठ के सौरभ हत्याकांड पर क्या बोले धीरेंद्र शास्त्री

संवाददाता, मेरठ। बागेश्वर धाम के पीठाधीश धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने मेरठ में सौरभ हत्याकांड का जिक्र करते हुए कहा कि इस घटना के बाद नीला ड्रम देशभर में प्रसिद्ध हो गया है। इस कारण बहुत पति इस घटना से सदमे में हैं। यह घटना अति निंदनीय व दुर्भाग्यपूर्ण है। वर्तमान समाज में घटते समाज की व्यवस्था, पाश्चात्य संस्कृति का आगमन और प्यार के चक्कर में पड़े विवाहित पुरुष या स्त्री के कारण यह घटना हुई है। अपने जीवन में एक ही मार्ग होना चाहिए। यह संस्कारों की कमी है। जिसका बेटा या बेटी इस प्रकार के कृत्य कर रहे हैं, उनके पालन–पोषण में कमी है। संस्कारवान परिवार बनाने के लिए प्रत्येक भारतीय को रामचरितमानस का आधार लेना जरूरी है।

बुधवार को पत्रकार वार्ता व कथा में विभिन्न मुद्दों पर विचार रखे। कहा कि कुछ वर्ष पहले किसी ने कहा था कि यहां पर हम 45 या 42 प्रतिशत हैं, एक हो जाएं तो बोटी–बोटी कर देंगे। जिसको सुनकर हृदय में दुख उत्पन्न हुआ। विश्व भर में केवल एक सनातन धर्म ऐसा है, जो तृतीय विश्व युद्ध से पूरी दुनिया को बचा सकता है। जातिवाद छोड़कर राष्ट्रवाद को अपनाना होगा। तभी सबका भला होगा।

राम चरित मानस पर आधारित होगी जीवनशैली

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भारत में हिंदू राष्ट्र की रूपरेखा के बारे में बताया कि वैसे तो हिंदू राष्ट्र वर्तमान में भी है, लेकिन आधिकारिक रूप से घोषित होने पर दंड की प्रक्रिया बदलेगी। हिंदू राष्ट्र में रहने का सबको अधिकार होगा। जैसे दुबई या यूएई में है, वहां पर भी सभी धर्मों के लोग रहते हैं, लेकिन प्राथमिकता मुस्लिमों को है। ठीक उसी प्रकार हिंदू राष्ट्र में प्राथमिकता सनातन धर्म की होगी। रामचरितमानस के आधार पर जीवन शैली होगी। जाति–पांत, भेदभाव व छुआछूत के नाम पर होने वाली राजनीति नहीं होगी। ज्योतिष पीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के गाय माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को लेकर चलाए जा रहे अभियान को लेकर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सराहना की।

नियम सबके लिए समान तो चच्चे के तीस बच्चे क्यों ?

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सरकार नारा दे रही है कि बच्चे दो ही अच्छे हैं। यह नियम हम मानने को तैयार हैं, लेकिन चच्चे के तीस बच्चे क्यों है? उन्होंने कहा कि क्वांटिटी कम क्यों न हो, लेकिन क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए अर्थात बच्चे चाहे चार हो, लेकिन कट्टर हिंदू होने चाहिए।

देशभर से मिटाए जाएं विधर्मियों के नामों–निशान

उन्होंने कहा कि औरंगजेब कदापि महान नहीं हो सकता। देश में जितने भी विदेशी–विधर्मी भारत को तोड़ने के लिए आए, उनके नामों–निशान मिटने चाहिए। मेरठ में भी कई जगह या मार्ग ऐसे नाम हैं, जिनके नाम बदलने चाहिए। अभी तक तो यही कहा जा रहा था कि अयोध्या तो झांकी है, काशी–मथुरा बाकी है, लेकिन अब यह कहेंगे कि संभल–काशी–मथुरा तीनों बाकी है। शांति की जगह अब क्रांति का पाठ होना चाहिए।

सरोजनीनगर क्षेत्र में दो स्थानों पर लगी आग

सरोजनीनगर-लखनऊ। सरोजनीनगर में गुरुवार को दो अलग-अलग स्थानों पर आग लगने से हड़कम्प मच गया। पहली घटना दोपहर करीब दो बजे सरोजनीनगर स्थित सैनिक स्कूल के पीछे के मैदान में हुई, जहां घास-फूस और झाड़ियों में आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन सरोजनीनगर से दमकल मौके पर पहुंची। फायर यूनिट ने करीब 30 मिनट की मेहनत के बाद आग पर काबू पा लिया। दूसरी घटना शाम 5 बजे दरोगा खेड़ा के रानीपुर गांव के पास जंगल में हुई। यहां आग की चपेट में आकर बंथरा के औरावां गांव निवासी रामगुलाम के खेत में खड़ी गेहूं की करीब एक विस्वा फसल जल गई। तेज आग की लपटें उठती देख इसकी सूचना औरावां गांव के विजय सिंह चौहान ने फायर कंट्रोल रूम को दी। सूचना पाकर सरोजनीनगर फायर स्टेशन से पहुंची दो दमकलों के कर्मचारियों ने फायर टीम के साथ मिलकर एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

देसी शराब की 6 दुकानों की फिर होगी लाटरी

लखनऊ। आवकारी विभाग लखनऊ में 6 देसी शराब की दुकानों की लायरी फिर से होगी। इसके लिए लोगों से आवेदन मांगे गए हैं। इसके अलावा सदर क्रासिंग स्थित देसी शराब की दुकान का आवंटन निरस्त कर दिया गया है। आवकारी करुणेन्द्र सिंह ने वताया कि लाटरी में 6 दुकानें आवंटित नहीं हो पाई हैं। इन दुकानों के लिए एक वार फिर ई-लाटरी का आयोजन किया जाएगा। विदित हो कि लखनऊ में शराब की दुकानों के लिए 17605 आवेदन आये थे। 1071 दुकानों का आवंटन होना था, जिसमें सवसे ज्यादा देसी 572 दुकाने थीं। 400 अंग्रेजी व वियर की कम्पोजिट शॉप हैं। 99 माडल शॉप हैं। इसमें 5 देसी दुकानों को छोड़कर सवका आवंटन किया गया था। अव जो दुकानें आवंटित नहीं हुई हैं, उनकी लाटरी फिर से होगी।

दीक्षा गर्ल्स हॉस्टल में लगी आग

लखनऊ। इन्दिरानगर क्षेत्र में शुक्रवार को दोपहर करीव 1.37 वजे दीक्षा गर्ल्स हॉस्टल में आग लगी, जिसे इन्दिरानगर फायर स्टेशन से गयी दमकल के कर्मचारियों ने समय रहते वुझा दिया। आग किचन में रखे छोटे गैस सिलेंडर में आग लगी थी, जिसे भीगे हुए तौलिये और वाल्टी की सहायता से वुझा लिया गया। कोई जन या धनहानि नहीं हुई है।

उत्पादों पर बीआईएस प्रमाणन जरूरी : सुधीर

लखनऊ। भारतीय मानक व्यूरो (वीआईएस) लखनऊ शाखा कार्यालिय गोमतीनगर स्थित एक होटल में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाखा प्रमुख एवं वरिष्ठ निदेशक सुधीर विश्नोई ने वीआईएस द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यो और हालिया अभियानों की जानकारी दी। उन्होंने उपभोक्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा, वाजार में गुणवत्ताहीन उत्पादों पर कार्रवाई, अनिवार्य प्रमाणन योजनाओं और उपभोक्ता जागरूकता अभियानों पर प्रकाश डाला। अवमानक उत्पादों पर वीआईएस की सख्त कार्रवाई होगी।

उन्होंने वताया कि हाल के दिनों में वीआईएस ने गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन करने वाले उत्पादों और निर्माताओं के खिलाफ सख्त कदम उठाए है। इस कड़ी में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेज़न के वेयरहाउस पर छापा मारा गया, जहां से वड़ी मात्रा में अवमानक उत्पाद, जैसे कि खिलौने और हैड व्लेंडर जव्त किए गए। इसके अलावा, नॉन-हॉलमार्क ज्वेलरी वेचने वाले विक्रेताओं और फर्जी हॉलमार्क टेस्टिंग लैव्स पर छापेमारी की गई।

शाखा प्रमुख ने वताया कि वीआईएस उपभोक्ताओं को सशक्त वनाने के लिए वीआईएस केयर ऐप का प्रचार-प्रसार कर रहा है। यह ऐप उपभोक्ताओं को किसी भी उत्पाद पर मौजूद वीआईएस चिह्न, हॉलमार्क और आर-मार्क की प्रामाणिकता की जांच करने में मदद करता है। निदेशक ने वताया कि एक्ष्च ने उत्तर प्रदेश के 45 जिलों की 41,020 ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके माध्यम से उन्हें गुणवत्तायुक्त उत्पादों की पहचान करने और अवमानक उत्पादों से वचने की जानकारी दी गई।

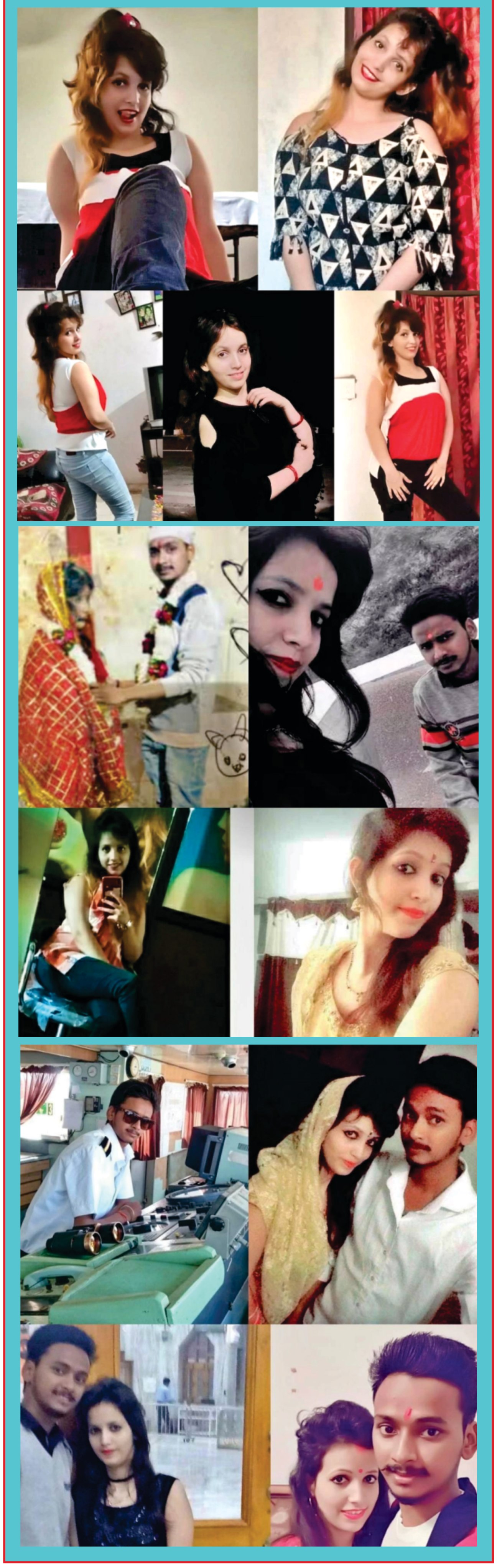

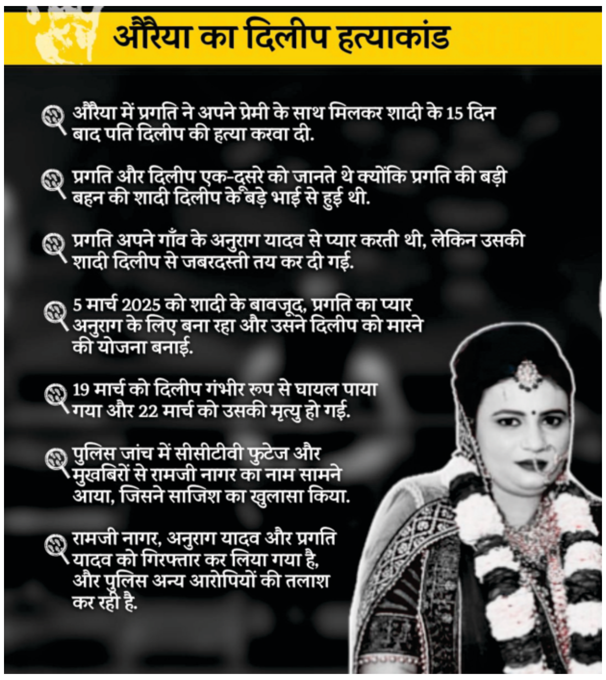

'जितने भी होंगे, सबको खोदकर निकाल लेंगे', संभल की खुदाई पर CM योगी की दो टूक

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल में मौजूद सभी मंदिरों को पुनर्जीवित करने को लेकर भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने अब तक शहर में 54 से अधिक तीर्थ स्थलों की पहचान की है, और शेष को खोजने के प्रयास जारी हैं। एएनआई से बात करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने इस बात पर जोर दिया कि सनातन हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण स्थल भारत की विरासत के प्रतीक हैं।

'मुसलमान खतरे में नहीं हैं'
असदुद्दीन ओवैसी पर CM योगी का करारा हमला, बोले- 'इनकी वोटबैंक की राजनीति खतरे में'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी सरकार की बुलडोजर कार्रवाई पर हो रही आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कभी–कभी लोगों को उस भाषा में बातें समझाने की जरूरत होती है जिसे वे समझते हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि जो लोग कानून को अपने हाथ में लेंगे, उन्हें कानूनी दायरे में परिणाम भुगतने होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, श्जो लोग न्याय में विश्वास करते हैं, उनके लिए न्याय होता है। जो लोग न्याय और कानून को अपने हाथ में लेते हैं, उन्हें कानून के ढांचे में सबक सिखाया जाता है। इसे उसी भाषा में समझाया जाना चाहिए जिसमें वे इसे समझते हैं।

> जो लोग कानून को अपने हाथ में लेंगे, उन्हें कानूनी दायरे में परिणाम भुगतने होंगे। जो लोग न्याय में विश्वास करते हैं, उनके लिए न्याय होता है। जो लोग न्याय और कानून को अपने हाथ में लेते हैं, उन्हें कानून के दायरे में सबक सिखाया जाता है। इसे उसी भाषा में समझाया जाना चाहिए जिसमें वे इसे समझते हैं।
>
> *योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, यूपी*

पत्नी की लाठी से पिटाई
बहन को बाल पकड़कर घसीटा... घरवालों से हुआ झगड़ा

आगरा के बाह में गेहूं की सिंचाई के लिए पानी न देने पर बाह के किंदरपुरा गांव में सोमवार की शाम एक ही परिवार के बीच जमकर डंडे चले। मारपीट का वीडियो वायरल हुआ है। जिसमें जमीन पर गिराकर पीटी जा रही महिला को बचाने के लिए उसके ऊपर ही पति लेट गया। फिर भी लोग डंडे से पिटाई करते रहे।

समाजवादी पार्टी के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने यूपी की सियासी उठापटक और यूपी के सत्ताधारी नेताओं के दिल्ली जाने की चर्चाओं पर बड़ा बयान दिया है. सपा चीफ अखिलेश यादव ने कहा कि एक विधायक कह रहे हैं कि दिल्ली का सबसे अच्छा रिप्लेसमेंट कर सकता है तो योगी जी कर सकते हैं, अब पता नहीं किसका रिप्लेसमेंट होने जा रहा है ।

'वेतन और भत्ते नहीं, निधि बढ़ाइए', सांसदों की सैलरी बढ़ोतरी पर सपा सांसद

संसदीय कार्य मंत्रालय ने सोमवार, 24 मार्च को इस आशय की अधिसूचना जारी की कि सांसदों के वेतन और भत्तों में कुल 24 फीसदी का इजाफा किया गया है. सांसदों को अब तक 1 लाख रुपये मिलते थे. नई अधिसूचना के अनुसार संसद सदस्यों को कुल 1 लाख 24 हजार रुपये मिलेंगे. वेतन और भत्ते 1 अप्रैल 2023 से बढ़ाए गए हैं. हालांकि समाजवादी पार्टी के नेता और सांसद आनंद भदौरिया इस फैसले से ज्यादा खुश नजर नहीं आ रहे हैं।

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने कक्षा 12वीं के नतीजे जारी कर दिए हैं, और एक बार फिर लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन कर बाजी मार ली है। टश्वपर लिस्ट में लड़कियों का दबदबा रहा, जिससे यह साबित हो गया कि वे शिक्षा के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रही हैं। इस साल प्रिया जायसवाल ने राज्य में पहला स्थान हासिल किया है।

शाहजहांपुर में चार बच्चों की हत्या कर पिता ने दी जान

धारदार हथियार से रेता मासूमों का गला

संवाद न्यूज एजेंसी, शाहजहांपुर

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। रोजा थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपने चार बच्चों की हत्या करने के बाद खुद भी जान दे दी। इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई।शाहजहांपुर में एक सनसनीखेज वारदात में युवक ने धारदार हथियार से अपने चार बच्चों का गला रेतने के बाद फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। प्राथमिक जांच में युवक के मानसिक रूप से परेशान होने की बात सामने आ रही है।

मायके में थी पत्नी

रोजा थाना क्षेत्र के मानपुर चचरी गांव में राजीव कठेरिया (36 वर्ष) अपनी पत्नी कांति देवी और बेटी स्मृति (13 वर्ष), कीर्ति (9 वर्ष), प्रगति (सात वर्ष) और बेटे ऋषभ (पांच वर्ष) के साथ रहता था। कांति देवी बुधवार को गांव करतोली स्थित अपने मायके चली गईं थीं। घर में राजीव और चारों बच्चे थे। चारों बच्चों के गले धारदार हथियार से रेत दिए गए थे।

अंदर राजीव साड़ी के फंदे से कुंडे से लटका हुआ था। वे चिल्लाते हुए बाहर आए तो ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सूचना पाकर एसपी राजेश द्विवेदी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पिता पृथ्वीराज ने बताया कि राजीव के साथ एक साल पहले हादसा हो गया था।

तब से वह मानसिक रूप से परेशान रहता था। कभी–कभी दिमाग पर गर्मी चढ़ जाती थी तो उल्टी–सीधी हरकत करने लगता था। एसपी राजीव द्विवेदी ने कहा कि मामले की जांच चल रही है। प्रथमदृष्टया युवक के मानसिक दबाव में होने की बात सामने आ रही है। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि 36 साल के युवक ने अपने चार बच्चों की हत्या कर दी और खुद भी फंदे से लटककर जान दे दी। युवक मानसिक रूप से परेशान था। पारिवारिक विवाद भी सामने आया है। घटना की जांच कराई जा रही है।

मंजर देख कांप गई रूह

राजीव के घर के बगल में रह रहे उसके पिता पृथ्वीराज ने बृहस्पतिवार सुबह पोते को चाय पीने के लिए बुलाया लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई। काफी देर तक आवाज देने के बावजूद जब कोई बाहर नहीं निकला तो उन्होंने घर के अंदर झांककर देखा। अंदर का मंजर देखकर उनकी चीख निकल गई। उनकी रूह कांप गई।

हिंदू युवक को मंदिर लेकर पहुंची मुस्लिम युवती

शादी रचाई, फेरे लेते ही बोली – इस्लाम में महिलाओं का सम्मान है लेकिन...

लखनऊ। उम्मे कुलसुम और राजेश की प्रेम कहानी बरेली जिले के थाना आंवला इलाके के मनोंना गांव की है. दोनों एक दूसरे से बेइंतहा मोहब्बत करते थे. उम्मे कुलसुम इस्लाम धर्म से ताल्लुक रखती है तो वहीं राजेश हिंदू धर्म से ताल्लुक रखते हैं. दोनों ने अपने रिश्ते को नाम देने का फैसला किया. उम्मे कुलसम ने अपने प्यार के लिए सनातन धर्म अपना लिया. उसने अपना नाम बदलकर रानी रख लिया। बरेली की रहने वाली उम्मे कुलसुम ज्यादा पढ़ी–लिखी जरूर नहीं है लेकिन उसे अब इस्लाम से नफरत हो चुकी है. उसका कहना है कि हिंदू धर्म में जहां महिला को लक्ष्मी की तरह पूजा जाता है तो वहीं इस्लाम में महिलाओं को मान–सम्मान तो है लेकिन हिंदू धर्म जैसा नहीं है. उसने अपने पड़ोसी राजेश से मोहब्बत की. जब यह बात उसके माता–पिता को मालूम हुई तो वह नाराज हुए. उम्मे कुलसुम ने राजेश से मंदिर में शादी कर ली. एक दूसरे के लिए हमेशा–हमेशा के लिए अपना बना लिया. उसने अपना नाम बदलकर रानी कर लिया. इधर, पुलिस ने उम्मे कुलसुम के पिता की शिकायत पर बेटी के प्रेमी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अपनी जांच पड़ताल शुरू कर दी है. जब इस बात की जानकारी उसके माता–पिता को हुई तो वह उससे नफरत करने लगे. उसका प्रेमी हिंदू है, इस बात से वह खफा हो गए. उसकी आए दिन पिटाई करने लगे. ऐसे में वह राजेश को लेकर बरेली के एक मंदिर पहुंच गई. उम्मे कुलसुम ने मंत्रोच्चारण के बीच गोमूत्र और गंगाजल से पहले अपना शुद्धिकरण करवाया. फिर अग्नि को साक्षी मानकर राजेश के साथ सात फेरे लिए. राजेश ने ईश्वर के समक्ष पांच बार रानी की मांग में सिंदूर भरकर उसे अपनी जीवनसंगिनी बना लिया. उम्मे कुलसुम का कहना है कि वह राजेश से बेइंतहा मोहब्बत करती है. उसी के साथ जिंदगी बिताना चाहती है. वह किसी मुस्लिम युवक से शादी नहीं करना चाहती थी. उसे इस्लाम धर्म से बेहद नफरत हो चुकी थी. मैं बालिग हूं और अपनी मर्जी से आई हूं. मेरी मां ने मुझसे मारपीट की. मैं अपनी जान बचाकर आई हूं. राजेश से बात करने से वो नाराज थे. हिंदू धर्म अपनाने के लिए मैंने शपथ पत्र दिया है. जब उम्मे कुलसुम अपने प्यार के साथ जब राजेश के साथ घर से चली गई तो उसके पिता ने राजेश और उसके साथियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत की।

प्यार में अंधी मां ने दो बच्चों को छोड़ प्रेमी से रचाई शादी, पति बोला– बच्चों की टेंशन मत लेना...

सुख–दुख में भागी रहते हुए एक साथ जीवन जीने की बातें अब लोगों को कचोट रही है सात फेरे लेते समय खुशहाल परिवार की परिकल्पना शायद गलत साबित हो रही है

संवाददाता, धनघटा। क्षेत्र के एक गांव में चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक विवाहित महिला ने अपने पति और दो नाबालिग बच्चों (सात व दो वर्ष) को छोड़कर अपने प्रेमी के साथ शादी रचा ली। शिवमंदिर में हुई इस शादी के दौरान जहां महिला का प्रेमी पक्ष खुशियां मना रहा था, वहीं उसके दोनों बच्चे मां के बिछड़ने पर बिलखते रहे।

स्थानीय लोगों के अनुसार, महिला की शादी वर्ष 2017 में गोरखपुर जिले के एक युवक से हुई थी। पति मेहनत–मजदूरी कर परिवार का पालन–पोषण करता था। लेकिन करीब एक साल पहले महिला का गांव के ही एक युवक से प्रेम प्रसंग शुरू हुआ, जो धीरे–धीरे गहराता गया। बाद में रिश्ता इतना मजबूत हो गया कि महिला ने घर छोड़कर प्रेमी के साथ रहने का फैसला कर लिया।

महिला और उसका प्रेमी सोमवार को धनघटा स्थित बाबा दानीनाथ मंदिर पहुंचे, जहां दोनों ने फेरे लिए। इस दौरान गांव के कई लोगों ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन महिला अपने फैसले पर अड़ी रही। अंततरू यह तय हुआ कि दोनों बच्चे अपने पिता के साथ ही रहेंगे। जब महिला नए पति के साथ जाने लगी, तो उसके बच्चों की रोने की आवाज ने मौके पर मौजूद लोगों को द्रवित कर दिया। इस घटना ने पूरे गांव में हड़कंप मचा दिया है। लोग महिला के फैसले पर हैरान हैं, क्योंकि उसने न सिर्फ अपने पति को धोखा दिया, बल्कि दो मासूम बच्चों का भविष्य भी अधर में छोड़ दिया।

> एक विवाहिता महिला ने अपने पति और दो मासूम बच्चों को छोड़कर अपने प्रेमी से शादी रचा ली। यह घटना उत्तर प्रदेश के धनघटा में हुई। महिला का प्रेमी पक्ष खुशियां मना रहा था वहीं उसके दोनों बच्चे मां के बिछड़ने पर बिलखते रहे। इस घटना ने पूरे गांव में हड़कंप मचा दिया है। लोग महिला के फैसले पर हैरान हैं।

पति व दो बच्चों को छोड़ महिला के प्रेमी के साथ शादी रचाने पर उठे सवाल

एक गांव की महिला द्वारा दो दिन पूर्व अपने पति व दो मासूम बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ शिव मंदिर पर शादी रचाने पर तरह–तरह की चर्चा हो रही है। इस पर सवाल उठ रहे हैं। क्या एक महिला इतनी कठोर हो सकती है, इस पर मंथन करने की आवश्यकता है। बदलते परिवेश के बीच ऐसा घृणित कार्य से समाज में गलत संदेश जा रहा है। धनघटा थाना के एक गांव के युवक की शादी वर्ष 2017 में गोरखपुर जिले के एक गांव में हुई थी। महिला दो बच्चों की मां बनी। जिनकी उम्र करीब दो व सात वर्ष है। महिला का पति घर पर रहकर मेहनत–मजदूरी करता है। गांव वालों का कहना है कि करीब एक वर्ष पहले महिला और गांव निवासी एक युवक के बीच प्रेम पनपने लगा। मार्च–2025 तक इनका प्रेम परवान चढ़ गया। महिला नौ दिन पूर्व अपने प्रेमी के साथ घर से फरार हो गई थी। उसकी तलाश में उसके परिजन लगे रहे।

गत सोमवार की सुबह वह अपने प्रेमी के साथ घर पहुंची। प्रेमी से शादी करने की बात कहने लगी। इस पर गांव के लोगों ने दोनों को काफी समझाया–बुझाया लेकिन वह नहीं मानी। अंत में प्रेमी और प्रेमिका अपने स्वजन के साथ धनघटा स्थित बाबा दानीनाथ मंदिर में भगवान भोलेनाथ को साक्षी मानकर एक–दूसरे के गले में जयमाल डालकर शादी कर ली। इस बीच यह भी निर्णय हुआ कि दोनों बच्चे अपने पिता के साथ रहेंगे। मां को बिछड़ते देख दोनों बच्चे बिलख रहे थे लेकिन प्रेम में अंधी हुई महिला के ऊपर इसका कोई असर नहीं पड़ा।

कातिल दुल्हन पर नया खुलासा

मुंह दिखाई के रुपये और जेवर सुरक्षित, बड़े भाई ने खोला चौंकाने वाला राज

औरैया। मैनपुरी के हाइड्रा कारोबारी दिलीप यादव की हत्या के आरोप में मुख्य आरोपी अनुराग जेल चला गया है। उसका पिता फरार है। उसके घर पर सन्नाटा पसरा है। इकलौते बेटे की करतूत से पूरा परिवार परेशान है। उधर, प्रगति को लेकर उसके बड़े भाई ने चौंकाने वाला राज खोला है।

मैनपुरी के हाइड्रा कारोबारी दिलीप यादव की हत्या में शामिल पत्नी प्रगति के प्रेमी अनुराग यादव के घर पर सन्नाटा पसरा हुआ है। हत्याकांड में उसके शामिल होने और जेल जाने के बाद से घर में कोई बड़ा नहीं है। डर से पिता भी घर से फरार हैं। इसे लेकर गांव में चर्चा भी है। घर में अकेली बहन भी किसी से बात नहीं कर रही। पुलिस अनुराग को जेल भेज चुकी है।

फूंद थाना के गांव सियापुर निवासी हत्यारोपी अनुराग यादव उर्फ बबलू उर्फ मनुज कुमार ही घटना का मुख्य बताया जा रहा है। बेटे की करतूत सामने आने के बाद उसका पिता घर से फरार है। अनुराग दो बहनों का इकलौता बड़ा भाई है। उसकी एक बहन बबली की शादी कन्नौज के उमर्दा में हुई है। वह वहीं रहती है।

घायल हुए वरुण धवन

मुम्बई। हाल ही में वरुण धवन अपनी फिल्म की शूटिंग करते वक्त घायल हो गए हैं, जिससे उनको चोट आई है। अभिनेता ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया पर दी है और दर्शकों से अपनी चोट को लेकर सवाल भी किया है। आइए जानते हैं कि आखिर अभिनेता को कहां लगी चोट?

काम के दौरान लगी चोट

वरुण धवन को शूटिंग के दौरान चोट लग गई है, जिसकी जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर कर दी है। अभिनेता ने बुधवार को स्टोरी के जरिए बताया कि उन्हें उंगली में चोट लग गई है। साथ ही उन्होंने अपने प्रशंसकों से सवाल किया कि आपकी उंगली को ठीक होने में कितना समय लगता है। इसके अलावा वरुण ने लिखा कि हैशटैग काम के दौरान की चोट। इस तस्वीर में उनकी उंगली में सूजन दिखाई दे रही है।

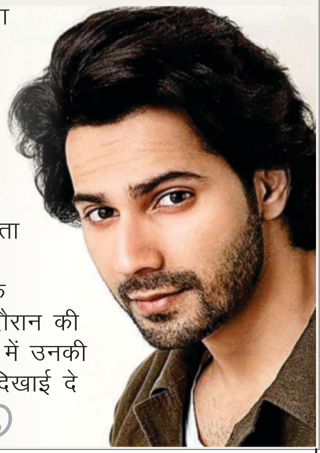

'जाट' से डरे राजकुमार राव

एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉक्स ऑफिस पर अक्सर दो स्टार्स की फिल्मों के बीच क्लैश देखने को मिलता है। ऐसा ही एक क्लैश 10 अप्रैल को भी होने की उम्मीद थी, लेकिन अब वो टल गया है। क्योंकि राजकुमार राव की फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ गई है। जानें कौनसी है फिल्म और कब होगी रिलीज। अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री वामिका गब्बी पहली बार एक कॉमेडी–ड्रामा फिल्म 'भूल चूक माफ' में नजर आने वाले हैं। कुछ दिनों पहले फिल्म की घोषणा करते हुए निर्माताओं की ओर से इसका टीजर जारी किया गया था। ये फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होनी थी। अब फिल्म को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। मेकर्स ने जानकारी दी है कि फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ गई है। इससे अब राजकुमार राव की फिल्म का क्लैश सनी देओल की 'जाट' से होने से बच गया है।

मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर साझा किया नया पोस्टर

फिल्म के मेकर्स की ओर से एक नया मोशन पोस्टर जारी किया गया है। जिसमें फिल्म की नई रिलीज डेट की जानकारी दी है। राजकुमार राव और वामिका गब्बी की ये फिल्म अब 10 अप्रैल की जगह 9 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म के मेकर्स मेडॉक फिल्म्स की ओर से इस मोशन पोस्टर को इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए लिखा गया, "अपनी हल्दी में ही अटक गए रंजन और तितली। क्या उनकी शादी का दिन आएगा कभी?

'युजी भाई को धोखा क्यों दिया

धनश्री वर्मा समझ बैठे लोग, फोटो देखते ही सुना दी खरी–खोटी

नई दिल्ली। युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा का तलाक हो चुका है. साल 2020 में शादी के बंधन में बंधा कपल अब अलग हो चुका है. 20 मार्च को कोर्ट ने कपल की तलाक की अर्जी को मंजूरी दी जिसके बाद दोनों का जन्मों का नाता टूट गया. भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से तलाक के बाद से धनश्री वर्मा सोशल मीडिया ट्रोल्स के निशाने पर आ गई हैं. एक्ट्रेस लगातार सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रही है. चहल के फैंस उन्हें खरी–खोटी सुनाने का कोई मौका नहीं गंवा रहे हैं और इन सबके बीच टीवी की टॉप एक्ट्रेस बिना मतलब नेटिजेंस के निशाने पर आ गई।

सोशल मीडिया यूजर्स ने टीवी एक्ट्रेस सुरभि चंदना को गलती से धनश्री वर्मा समझकर उन्हें खरी–खोटी सुना दी. सुरभि चंदना ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर की थी जिसपर लोगों ने उन्हें धनश्री समझते हुए कमेंट किए हैं. एक यूजर एक्ट्रेस की फोटो पर लिखते हैं, 'युजी भाई का दिल क्यों तोड़ा'. वहीं दूसरे ने लिखा, 'चहल को धोखा क्यों दिया'।

भोजपुरी की सुपरस्टार हीरोइन काजल राघवानी हाल ही में अपनी नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की है जिसमें अभिनेत्री बेहद अतरंगी अंदाज में दिखाई दे रही है जब भी इनका कोई नया तस्वीर आता है लोग उनके दीवाने हो जाते हैं।

कुछ कुछ होता है ठुकराई

एंटरटेनमेंट डेस्क। फिल्म कुछ कुछ होता है को बॉलीवुड की क्लासिक रोमांटिक फिल्मों में गिना जाता है। शाह रुख खान के फैंस तो फिल्म को आज भी बड़ी पसंद से देखते हैं। काजोल, रानी और शाह रुख की जोड़ी ने फिल्म को हमेशा के लिए यादगार बना दिया था। करण जौहर ने भी इस फिल्म से बतौर डायरेक्टर फिल्मी दुनिया में डेब्यू किया था। लेकिन फिल्म बनाते वक्त एक समय ऐसा भी आया था जब ये फिल्म करण जौहर की सोच के मुताबिक नहीं बन पा रही थी।

काफी कम लोग जानते हैं कि फिल्म में एक खास रोल ऐश्वर्या राय को भी ऑफर हुआ था। मगर एक्ट्रेस ने एक डर से इसमें काम करने से इंकार कर दिया था। आज हम आपको उसी कारण के बारे में बताने वाले हैं।

किस रोल के लिए किया गया था अप्रोच

कुछ कुछ होता है की कहानी तीन किरदारों के इर्द–गिर्द घूमती है जो राहुल, टीना और अंजली थे। शाहरुख, काजोल और रानी ने अपने किरदारों को कुछ कुछ होता है में बखूबी निभाकर एक अलग पहचान बनाई थी। मगर तीनों को फिल्म में साइन करने से पहले करण जौहर ने कई अन्य एक्टर्स को राहुल, अंजलि और टीना का रोल ऑफर दिया था। करण ने टीना के लिए पहले ऐश्वर्या राय को चुना था लेकिन उन्होंने इस रोल को ठुकरा दिया था।

नए प्यार की तलाश?

हार्दिक पांड्या से तलाक के बाद पहली बार शेयर की दिल की बात

फिर प्यार ढूंढ रहीं नताशा स्टेनकोविक? हार्दिक पांड्या से हो चुका है तलाक डेटिंग और लव लाइफ पर क्या है राय?

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। नताशा स्टेनकोविक साल 2024 में हार्दिक पांड्या से तलाक लिया था। तलाक के बाद एक्ट्रेस–मश्वडल को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा था। डिवोर्स के बाज नताशा का नाम कई लोगों से जोड़ा जाने लगा था। वहीं पिछले कुछ समय से हार्दिक पांड्या का नाम भी एक्ट्रेस जैस्मिन वालिया के साथ जोड़ा जा रहा है। इस सब के बीच नताशा ने पहली बार एक इंटरव्यू में इन सभी मुद्दों पर खुलकर बात की है।

नए लव आफ लाइफ के लिए तैयार हैं नताशा

नताशा स्टेनकोविक ने टाइम्स आफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि आने वाले समय में वो नई चीजें एक्सपीरियंस करने, नए आपरच्यूनिटी को एक्सप्लोर करने की तैयारी में हैं। एक्ट्रेस–माडल ने आगे कहा कि वो खुद को नए लव आफ लाइफ के लिए भी तैयार कर चुकी हैं। अगर उनकी लाइफ में कोई नया प्यार आता है, तो उन्हें इससे कोई एतराज नहीं होगा।

तलाक को काफी समय हो गया है। दोनों ने शादी के कुछ साल बाद अलग होने का फैसला लिया था। तलाक के बाद हार्दिक और नताशा अपने बेटे की को–पेरेंटिंग कर रहे हैं। इस बीच एक्ट्रेस और माडल ने अपनी लव लाइफ पर खुलकर बात की है।

जेल जाने तक को तैयार है फैन!
चाहत सिर्फ पैर छूना

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के छठे मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स ने राजस्थान को 8 विकेट से हराया। गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में राजस्थान रायल्स ने 151 रन बनाए थे। मैच के दौरान राजस्थान के कप्तान रियान पराग के लिए एक खास पल आया। इसे देखकर लगने लगा है कि लीग में रियान पराग का कद बढ़ रहा है।

स्पोर्ट्स डेस्क। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के छठे मैच में बुधवार को राजस्थान रायल्स और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच टक्कर हुई। गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया यह मैच लो स्कोरिंग रहा हालांकि, मैच के दौरान राजस्थान के कप्तान रियान पराग के लिए एक खास पल आया। इसे देखकर लगने लगा है कि लीग में रियान पराग का कद बढ़ रहा है।

रियान पराग का जबरा फैन मिला

फैन मैदान में घुस जाते हैं। इस फैंस का ड्रीम होता है कि वह विराट कोहली, रोहित शर्मा या फिर महेंद्र सिंह धोनी को गले लगा लें। बुधवार को त्त और झ्झ्त के बीच मैच के दौरान एक फैन मैदान में घुस गया। यह फैन रियान पराग का था। इस दौरान रियान पराग 12वां ओवर कर रहे थे। सबसे पहले तो फैन ने रियान के पैर छुए। इसके बाद रियान ने फैन को गले लगा दिया। ऐसे में साफ है कि रियान पराग का कद भी लीग में बढ़ रहा है। फैन उनकी खातिर जेल की हवा खाने के लिए तैयार हैं।

विराट का फैन घुसा था मैदान में

इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच 18वें सीजन का पहला मैच खेला गया था। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए इस मैच के दौरान विराट कोहली का फैन मैदान में धुस गया था। फैन ने रेलिंग फांदकर मैदान में एंट्री ली और नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े विराट कोहली को दंडवत प्रणाम नमन किया था। इतना ही नहीं इस फैन ने विराट को गले भी लगाया था। हालांकि, इसके बाद कोलकाता पुलिस ने फैन को गिरफ्तार कर लिया था। कोहली के फैन किशोर रितुपर्णा पाखिरा को कोलकाता की बैंकशाल अदालत ने कड़ी हिदायत के साथ जमानत दी थी। न्यायधीश ने आईपीएल तक उसके स्टेडियम में प्रवेश करने पर भी रोक लगा दी है। बता दें कि पुलिस ने रितुपर्णा को सोमवार को अदालत में पेश किया था।

भारतीय टीम के जंबो स्टाफ में होगा बदलाव

गुवाहाटी में बीसीसीआई सचिव के साथ मुख्य चयनकर्ता और कोच की हो सकती है मुलाकात
बैठक में जंबो सपोर्ट स्टाफ में बदलाव और पुरुष टीम के सेंट्रल कांट्रेक्ट पर चर्चा होगी
भारतीय टीम के फील्डिंग कोच टी दिलीप पर भी गाज गिर सकती है

नई दिल्ली। नौ महीनों में टी–20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम में तो बदलाव का दौर शुरू हो ही सकता है, उसके भारी भरकम सपोर्ट स्टाफ में भी बदलाव की तैयारी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गुवाहाटी में 29 मार्च को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया, मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर से मुलाकात कर सकते हैं। 30 मार्च को गुवाहाटी में ही चेन्नई सुपरकिंग्स और राजस्थान रॉयल्स का मैच भी है।

खुलकर नहीं आई जानकारी

बीसीसीआई के सूत्र ने कहा कि अभी तक बीसीसीआई के बाकी किसी पदाधिकारी को इस बारे में आधिकारिक तौर पर सूचना नहीं दी गई है। इसका मतलब है कि इसमें सिर्फ बीसीसीआई सचिव ही शामिल होंगे। अब ये मुलाकात आधिकारिक है या गैरआधिकारिक ये आने वाले समय में ही पता चलेगा।
हालांकि इसमें भारतीय टीम के जंबो सपोर्ट स्टाफ में बदलाव और पुरुष टीम के सेंट्रल कांट्रेक्ट पर चर्चा होगी। मालूम हो कि 22 मार्च को आईपीएल उद्घाटन समारोह के दिन कोलकाता में बीसीसीआई की एपेक्स कमेटी की बैठक हुई थी, जिसमें महिला क्रिकेट टीम के सेंट्रल कांट्रेक्ट पर चर्चा की गई थी। इसके दो दिन बाद बीसीसीआई ने उसको जारी भी कर दिया था, लेकिन अब तक पुरुष क्रिकेट टीम का सेंट्रल कांट्रेक्ट सामने नहीं आया है।

टीम इंडिया का जंबो स्टाफ

सूत्र ने कहा कि भारतीय टीम के सहयोगी स्टाफ में मुख्य कोच गौतम गंभीर, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, फील्डिंग कोच टी. दिलीप, सहयोगी कोच रेयान टेन डेस्काटे और अभिषेक नायर के अलावा ट्रेनिंग असिस्टेंट राघवेंद्र, दयानंद गरानी, फिजियोथेरेपिस्ट कमलेश जैन, मसाजर अरुण कनाडे, चेतन कुमार, राजीव कुमार, टीम ऑपरेशन मैनेजर सुमित मल्लापुरकर, सिक्योरिटी मैनेजर और अन्य आधा दर्जन लोग हैं।
गंभीर, मोर्केल, डेस्काटे और नायर कुछ महीने पहले ही टीम से जुड़े हैं, लेकिन कई लोग कई सालों से टीम के साथ हैं। ऐसे में अभिषेक नायर के अलावा किसी के बदलाव होने की संभावना न के बराबर है। टी. दिलीप भी तीन साल से ज्यादा समय से टीम से जुड़े हैं। ऐसे में उन पर भी गाज गिर सकती है। जिनका भी समय तीन साल से ज्यादा हो गया है उन्हें हटाया जा सकता है।

कोच के कारण नहीं हुई चर्चा

हाल ही में आए बीसीसीआई के नए दिशानिर्देश में भी इसका जिक्र था। सूत्र ने कहा कि इसमें से कई लोग हटाए जाएंगे, कुछ लोग कम किए जाएंगे और कुछ नए लोग आएंगे। सूत्र ने कहा कि मुख्य कोच निजी दौरे पर देश से बाहर थे इसलिए पुरुष खिलाड़ियों के केंद्रीय करार पर चर्चा नहीं हो सकी थी।
हालांकि सूत्रों का कहना है कि बीसीसीआई के एक सर्वोच्च निर्णायककर्ता के दाहिने हाथ ने फोन के जरिये टीम प्रबंधन से जुड़े लोगों और मुख्य चयनकर्ता से इस बारे में टोह ली थी। निर्णायक मंडल में शामिल सभी लोग कई खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर एकमत नहीं थे। ऐसे में इसको लेकर भी एकमत होने की कोशिश की जाएगी।

बदलाव के बड़े संकेत

हालांकि संकेतों पर ऐतबार किया जाए तो केंद्रीय करार में बड़े बदलाव के संकेत दिखाई दे रहे हैं। केंद्रीय करार से ही कई खिलाड़ियों के भविष्य का भी पता चल जाएगा। आईपीएल का फाइनल 25 मई को है। ऐसे में उससे पहले इन सब चीजों पर निर्णय ले लिया जाएगा। आईपीएल के बाद भारतीय टीम जून–जुलाई में पांच टेस्ट मैच खेलने के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी।

हमें छोटे–छोटे हिस्सों में...

राजस्थान रश्वयल्स को मिली लगातार दूसरी हार
रियान पराग ने हार के बाद जताई निराशा
चौथे नंबर पर करना चाहते थे बल्लेबाजी

हार के बाद रियान पराग ने ये क्या कह दिया, बताया किस नंबर पर करना चाहते थे बैटिंग

स्पोर्ट्स डेस्क। आईपीएल के 18वें सीजन में राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। टीम को लगातार दो मैच में हार का सामना करना पड़ा। 26 मार्च को गुवाहाटी में खेले गए सीजन के छठे मैच में आरआर को केकेआर के हाथों 8 विकेट से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। हार के बाद स्टैंड–इन कप्तान रियान पराग ने माना कि टारगेट में 20–25 रन कम पड़ गए।
बता दें कि बुधवार को आईपीएल 2025 का छठा मैच राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया।
राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 151 रन बनाए। ध्रुव जुरेल ने सर्वाधिक 33 रन की पारी खेली।
इसके जवाब में केकेआर ने दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। क्विंटन डी कॉक ने नाबाद 97 रन की पारी खेली। हार के बाद राजस्थान रायल्स के कप्तान निराश दिखे।

नंबर चार पर बल्लेबाज करना चाहता था

मैच के बाद रियान पराग ने कहा, 170 यहां पर अच्छा स्कोर होता, लेकिन हम वहां तक नहीं पहुंच पाए। प्लान यही था कि क्विंटन को जल्दी आउट किया जाए, लेकिन उन्होंने काफी अच्छी बल्लेबाजी की। मैं नंबर चार पर भी बल्लेबाजी के लिए तैयार हूं, लेकिन टीम चाहती थी कि मैं नंबर तीन पर खेलूं। हां, इस साल हमारी युवा टीम है, लेकिन हमें छोटे–छोटे हिस्सों में साथ में जुड़ना है और अच्छा प्रदर्शन करना है। हम हर मैच से सीख रहे हैं और उम्मीद है चेन्नई के खिलाफ वापसी करेंगे।

केकेआर का उम्दा प्रदर्शन

गौरतलब हो कि केकेआर ने यह मैच जीतकर बता दिया है कि गत चैंपियन की तरह कैसे खेला जाता है। पहले उन्होंने यहां पर टॉस जीतकर गेंदबाजी का निर्णय लिया। अपने स्पिनरों के द्वारा राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों पर दबाव बनाया। वह भी तब जब उनके पास सुनील नरेन मौजूद नहीं थे। इसके बाद क्विंटन डी कॉक ने अपनी चिर परिचित अंदाज से अलग बल्लेबाजी की।

राजस्थान का खराब प्रदर्शन

इसके विपरीत राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों ने जल्दबाजी दिखाई और अपना विकेट गंवा बैठे। टीम के किसी भी बल्लेबाजी ने एक छोर संभाल कर खेलने की कोशिश नहीं की। हालांकि, ध्रुव जुरेल ने कुछ हद तक प्रयास किया, लेकिन वह लंबी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद गेंदबाजों ने टीम को समय पर विकेट नहीं दिलाई, जिसके चलते उनके हाथ से मैच निकल गया।

आईपीएल 2025 के छठे मैच में राजस्थान रायल्स का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से हुआ। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 151 रन बनाए। ध्रूव जुरेल ने सर्वाधिक 33 रन की पारी खेली। इसके जवाब में केकेआर ने दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। क्विंटन डी काक ने नाबाद 97 रन की पारी खेली। हार के बाद राजस्थान रायल्स के कप्तान निराश दिखे।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिन:– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोट:– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।